डिफेंस कारिडोर व डिजिटल शिक्षा से बदली पहचान

आशीष सिंह ● जागरण

सरोजनीनगर: वर्ष 2025 सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित हो रहा है। राजधानी लखनऊ के इस प्रमुख क्षेत्र में बीते एक वर्ष के भीतर सड़क, परिवहन, आवास, उद्योग, शिक्षा, तकनीक, सुरक्षा, स्वास्थ्य और खेल से जुड़ी अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाएं धरातल पर उतरी हैं।

उत्तर प्रदेश इंस्टिट्यूट आफ फारेंसिक साइंस लखनऊ दरोगा खेड़ा रनियापुर ● जागरण

डिफेंस कारिडोर से बढ़ा सामरिक और औद्योगिक महत्व : उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर योजना के अंतर्गत सरोजनीनगर में रक्षा उत्पादन से जुड़ी इकाइयों की स्थापना ने क्षेत्र को नई पहचान दी है। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बल मिला है, वहीं स्थानीय युवाओं को तकनीकी और कुशल रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। डिफेंस सेक्टर से जुड़े सहायक उद्योगों के आने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है।

डिजिटल शिक्षा से बदली पढ़ाई की दिशा : डिजिटल इंडिया अभियान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में डिजिटल एजुकेशन सेंटर और स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई है। इससे छात्रों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा मिल रही है और शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

नेतृत्व का दृष्टिकोण

सरोजनीनगर विधायक डा. राजेश्वर सिंह का कहना है कि वर्ष 2025 में क्षेत्र को विकास की नई दिशा मिली है। आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्राथमिकता देते हुए सरोजनीनगर को एक माडल विधानसभा के रूप में विकसित करना उनका लक्ष्य है।

एआई सेंटर से तकनीकी नवाचार को बढ़ावा : सरोजनीनगर में स्थापित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने का माध्यम बन रहा है। यह सेंटर कौशल विकास, नवाचार को बढ़ावा देने में भूमिका निभाएगा।